मिशन शिक्षण संवाद

हमारे सहयोगी

काव्य मंजरी

शैक्षिक कविताओं का संकलन

संकलन

Mission Shikshan Samvad

Scanned with Cam

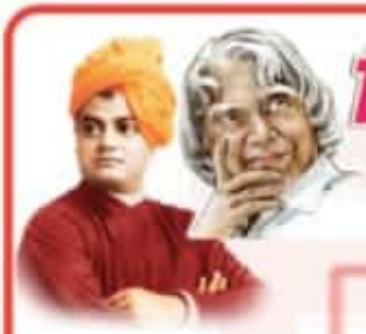

मिशन शिक्षण संवाद
हमारे सहयोगी

01

किसान

गेहूँ, चावल, ज्वार, बाजरा,
चना, मटर और सब्जी सारी।
गन्ना, मीठा फल सब सारे,
खेतों में उगाये बारी-बारी।।

पानी सींचे, खाद वो डाले,
खेतों में वो मेंड़ बनाए।
बीज वो रोपे, हल चलाए,
तब जाकर खेती लहराए।।

कड़ी धूप में फसल वो काटे,
तब जाकर अन्न घर आए।
हम सब को जो अन्न है देता,
बच्चों वो किसान कहलाए।।

रचना
शहनाज़ बानो (स०अ०)
पू० मा० वि० भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

Scanned with Cam

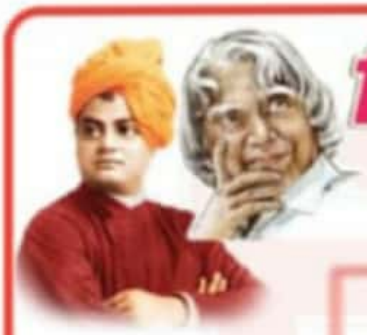

मिशन शिक्षण संवाद
हमारे सहयोगी
02
शिक्षक

नन्हे-मुन्नों को पाठ पढ़ाते,
नित विद्यालय समय से आते।
सबको देते हैं वो ज्ञान,
शिक्षक होता उनका नाम।।

जीवन के हर अँधेरे पर,
अपना प्रकाश पुँज फैलाते।
प्रेरणा स्त्रोत का करें वो काम,
शिक्षक होता उनका नाम।।

सिर्फ किताबी ज्ञान न देते,
जीवन जीना शिक्षक सिखलाते।
सरल, मधुर वो कृपानिधान,
शिक्षक होता उनका नाम।।

रचना
आयुषी अग्रवाल (स०अ०)
क० वि० शेखूपुर खास
कुन्दरकी (मुरादाबाद)

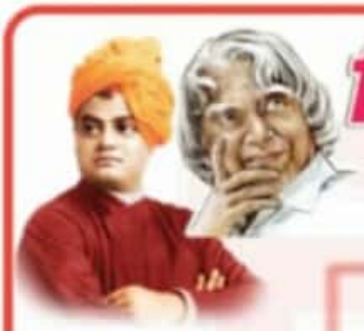

मिशन शिक्षण संवाद
हमारे सहयोगी

03

डॉक्टर

कितना बड़ा ही रोग हो,
कितनी बड़ी हो महामारी।
सभी रोगियों को स्वस्थ करना,
होती इनकी जिम्मेदारी।।

वो कभी थकते नहीं,
वो कभी रुकते नहीं।
फर्ज है सर्वोपरि,
वो कभी झुकते नहीं।।

गर्व है इस बात का,
युग-युगों से ही सदा।
डॉक्टर बनके दुनिया में,
कर रहे सबका भला।।

रचना
हेमलता गुप्ता(स०अ०)
प्रा० वि० मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़

Scanned with Cam

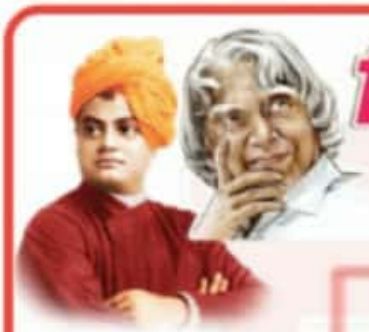

मिशन शिक्षण संवाद
हमारे सहयोगी

04

मोची

फटे जूते को सिलता है जो,
वह मोची कहलाता है।
जूते पॉलिश करता है जो,
वह मोची कहलाता है।।

मोची दादा ना होते तो,
हम फटे जूते में रह जाते।
चप्पल में सारे दिन हम,
कील ठोंकते रह जाते।।

तपती धूप में बैठे मोची,
सब के जूते सिलते हैं।
लेकिन बेचारे मोची दादा,
खुद टूटी चप्पल में रहते हैं।।

रचना
शशिवाला अग्निहोत्री (स०अ०)
यू० पी० एस० अमेठी जदीद
बढ़पुर, फर्रुखाबाद

Scanned with Cam

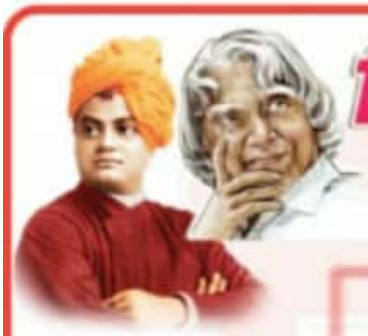

मिशन शिक्षण संवाद
हमारे सहयोगी

05

नर्स

कर लोगों की सेवा,
है नर्स ये कहलाई।
अंग्रेजी के नर्स शब्द से,
देखो ये है आई।।

तन-मन से सेवा कर,
रोगी को स्वस्थ बनाती।
कैसा भी हो रोग कोई,
कभी नही घबराती।।

बनकर माँ समान सबकी,
अपना स्नेह लुटाती।
दायित्व निभाने का,
पूरा हौसला जुटाती।।

रचना
आकांक्षा मिश्रा (स०अ०)
प्रा० वि० सिंकन्दरपुर
सुरसा, हरदोई

Scanned with Cam

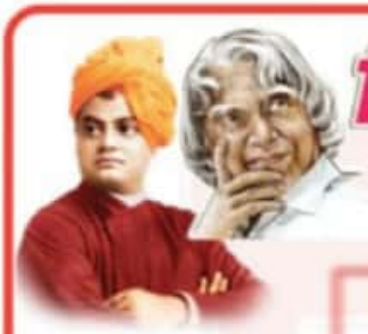

मिशन शिक्षण संवाद
हमारे सहयोगी

06

बढ़ई

लकड़ी का कार्य जो करते,
काष्ठकार हम उनको कहते।
बोल-चाल की सरल विधा में,
बढ़ई नाम सदा से लेते।।

रन्दा, पंच, हथौड़ा, आरी,
इन उपकरणों से तैयारी।
लकड़ी से रचना वे गढ़ते,
इष्टदेव विश्वकर्मा इनके।।

खेल-खिलौने चाहें गाड़ी,
कुर्सी, मेज हो अलमारी।
अद्भुत है इनकी चित्रकारी,
नमन सदा इनकी कलाकारी।।

रचना
अर्चना गुप्ता (स०अ०)
उ० प्रा० वि० हाफिजपुर हरकरन
खजुहा, फतेहपुर

Scanned with Cam

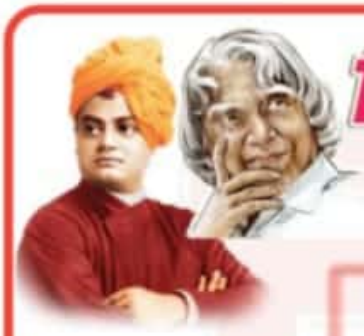

मिशन शिक्षण संवाद
हमारे सहयोगी

07

कुम्हार

रोज सवेरे चाक घुमाता,
बर्तन मिट्टी के है बनाता।
सुन्दर-सुन्दर उन्हें सजाता,
मेहनत की वह रोटी खाता।।

वह करता है रोज ही मेहनत,
सदा रहता खुशहाल है।
मटकों का ठण्डा पानी पीकर,
हम सब होते निहाल हैं।।

अपनी मेहनत से ही तो वह,
मटके, कुल्हड़ सभी बनाता।
दीवाली में जो दिए जलाते,
बच्चों, उन्हें कुम्हार बनाता।।

रचना
अशोक कुमार (स०अ०)
क० वि० रामपुर कल्याणगढ
मानिकपुर, चित्रकूट

Scanned with Cam

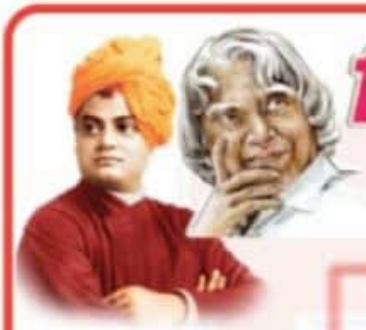

मिशन शिक्षण संवाद
हमारे सहयोगी

08

राजगीर

पत्थर या ईंट की चिनाई,
जो करता राजगीर कहलाता।
उनका काम व्यापक अर्थ में,
राजगीर नाम से जाना जाता।।

मिट्टी, सीमेंट, रेत, लोहा, गिट्टी,
लकड़ी आदि उपयोग में लाता।
सुबह से शाम करता परिश्रम,
कच्चे, पक्के मकान बनाता।

औजार उसके हथौड़ा, छेनी,
रंदा, कन्नी, सूत, साहुल, गुनिया।
संग रखता पाटा, पारा, लेबिल,
इनमें बसी है उसकी दुनिया।।

रचना
ज्योति चौधरी (स०अ०)
प्रा० वि० इस्लामनगर
नगर क्षेत्र, मुरादाबाद

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

हमारे सहयोगी

09

दर्ज़ी

कुर्ता, पायजामा या हो कमीज़।
कपड़े से बनाता हर चीज़।।

फीता, कैंची, सुई और धागा,
ये सब हैं उसके औजार।
हाथ में कॉपी, कान पे पेंसिल,
और जेब में बटन दो चार।।

सिलाई मशीन चलाता रहता,
चाहे सुबह देखो या शाम।
ईद, क्रिसमस या दीवाली,
नए कपड़े सिलना उसका काम।।

चाहे जैसे कपड़े बनवा लो,
ये है आपकी मर्जी।
सबकी सेवा करने के लिए,
तैयार रहता है दर्जी।।

रचना
रोशनी वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० झांझनपुर
नगर क्षेत्र, मुरादाबाद

Scanned with Cam

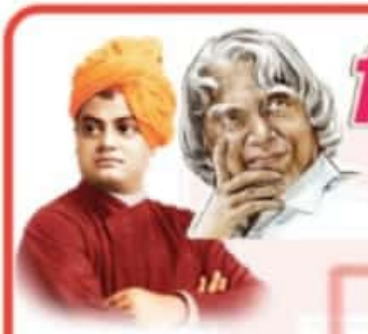

मिशन शिक्षण संवाद
हमारे सहयोगी

10

हलवाई

देखो आया है हलवाई,
लाया है संग मस्त मिठाई।
रसगुल्ले हैं काले-काले,
मुन्ना सोंचे छक कर खा ले।।

छेने का रस भा जाता है,
मुँह में पानी आ जाता है।
और जलेबी इतनी सारी,
लगे दही संग कितनी प्यारी।।

भरे थाल में राजभोग हैं,
खाना चाहें सभी लोग हैं।
कितनी मीठी है रसमलाई,
देखो आया है हलवाई।।

रचना
श्रीकांत पाण्डेय (स०अ०)
क० वि० शहाबुद्दीनपुर
सुरसा, हरदोई

Scanned with Cam

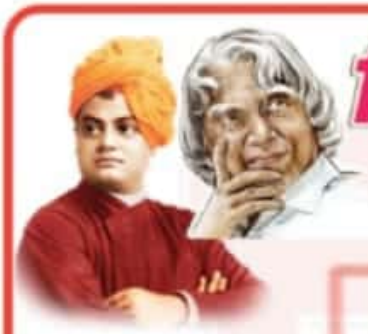

मिशन शिक्षण संवाद
हमारे सहयोगी

11

डाकिया

पहन के अपनी खाकी वर्दी,
चला साइकिल जल्दी-जल्दी।
बस्ता भर संदेशों से डाकिया,
लगा पहुँचाने सबकी चिट्ठी।।

चाचा, मामा, बुआ, ताऊ की,
सबकी चिट्ठी वो लाता है।
सरहद पर बैठे फौजी की भी,
खैर-खबर घर पहुँचाता है।।

काम है देखो कितना अच्छा,
अपनों की खबर जो लाता है।
कठिन परिश्रम करके बच्चों,
परोपकार वो कमाता है।।

रचना
निहारिका शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० महमूदपुर तिगरी
भगतपुर टांडा, मुरादाबाद

Scanned with Cam

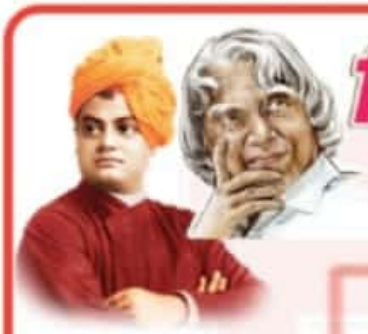

मिशन शिक्षण संवाद
हमारे सहयोगी

12

सैनिक

देश की रक्षा,
तन-मन से करते हैं।
देश की सुरक्षा पर
जो मिटते हैं।।

सजग प्रहरी बन,
पहरेदारी करते हैं।
दुश्मन को सीमा में,
घुसने नहीं देते हैं।।

स्वयं जाग देश को,
चैन से सोने देते हैं।
जांबाज सैनिकों को,
हम नमन करते हैं।।

रचना
प्रतिमा उमराव स०अ०
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर

Scanned with Cam

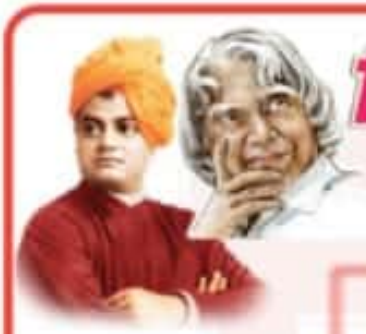

मिशन शिक्षण संवाद
हमारे सहयोगी

13

न्यायाधीश

हिन्दी में न्यायाधीश,
अंग्रेजी में वह जज कहलाता।
दोनों पक्ष की दलीलें सुनकर,
अपना निर्णय देता।।

लॉ की डिग्री प्राप्त कर,
न्यायाधीश वही बन पाता।
जो धैर्य और संयम से,
सब की बात है सुनता।।

निर्दोष को दोषमुक्त और,
दोषी को सजा सुनाता।
उसकी चतुर बुद्धि से,
कोई दोषी बच ना पाता।।

रचना
शिल्पी वार्ष्णेय (स०अ०)
प्रा० वि० मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़

Scanned with Cam

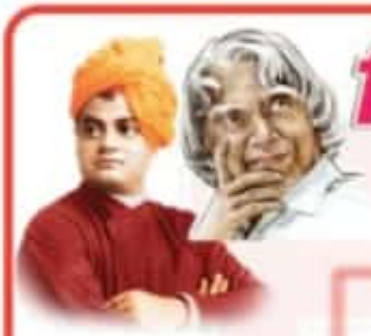

मिशन शिक्षण संवाद
हमारे सहयोगी

14

इंजीनियर

इंजीनियर का अर्थ होता,
मशीनों का निर्माता।
इंजीनियर होता है,
यांत्रिकी का अच्छा ज्ञाता।।

कला और विज्ञान के,
मिश्रण से परिपूर्ण होता।
अपने कार्य और कौशल से,
देश का विकास करता।।

इंजीनियरिंग के होते हैं कुछ प्रकार,
इलेक्ट्रिकल, सिविल, कम्प्यूटर और मैकेनिकल।
इनसे जग लेता नया आकार,
और संवरता संसार का आज और कल।।

रचना
इला सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० पनेरूवा
अमौली, फतेहपुर

Scanned with Cam

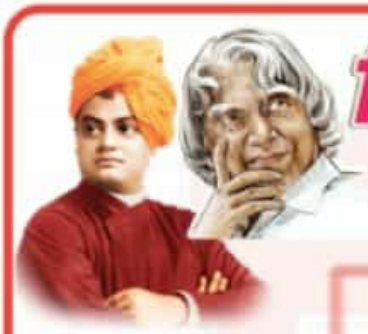

मिशन शिक्षण संवाद

हमारे सहयोगी

15

सफाईकर्मी

जो करते हैं साफ-सफाई,
वो हैं सफाईकर्मी भाई।
सड़क, गली में जब वो आते,
कूड़ा-करकट दूर हटाते।।

कूड़ा-करकट हम फैलाते,
कूड़े वाले वो कहलाते।
गलत ये उनका नाम है भाई,
वो हैं सफाई वाले भाई।।

सारी गन्दगी दूर भगाते,
बीमारी से हमें बचाते।
न उनका अपमान करें हम,
दिल से उन्हें सलाम करें हम।।

रचना
पीयूष त्रिवेदी (स०अ०)
कम्पोजिट वि० भैनामऊ
सुरसा, हरदोई

Scanned with Cam

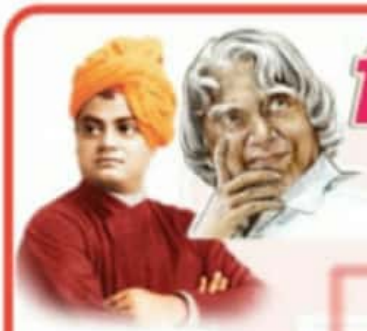

मिशन शिक्षण संवाद
हमारे सहयोगी

16

पुलिस

ड्रेस का देखो रंग है खाकी,
समाज का कर्ज चुकाना बाकी।
करता काम वो बहुत निराला,
कहते हैं उसे हम पुलिसवाला।।

चोर-डकैतों को पकड़ दिखाएं,
आम आदमी को उनसे बचाएं।
यहीं नैतिक जिम्मेदारी है उनकी,
जान हथेली पर हरदम है जिनकी।।

रैली, जुलूस सब इनके हवाले,
करते सुरक्षा उनकी मतवाले।
अपराधी इनसे बचने ना पाए,
हरपल ड्यूटी निष्ठा से निभाए।।

रचना
अनुज पटैरिया आदिशेष (इं०प्र०)
प्रा० वि० टिकरिया
मानिकपुर, चित्रकूट

Scanned with Cam

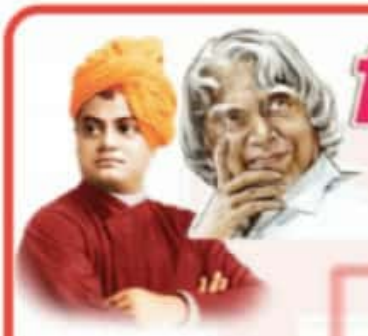

मिशन शिक्षण संवाद
हमारे सहयोगी

17

वकील

काला कोट पहनकर आता,
रोज कचहरी को है जाता।
वकालत करना उसका काम,
बच्चों! वकील है उसका नाम।।

कानून की किताबें पढ़ता,
तभी मुकदमा वो है लड़ता।
जज के सामने बहस वो करता,
अपने मुवक्किल को है बचाता।।

जब भी कोई लड़ाई होती,
वकील के पहले पुलिस आती।
मुकदमा बन जाता जब विवाद,
वकील आता सबको याद।।

रचना
आराधना सिंह (प्र०अ०)
इंग्लिश मीडियम क० वि०
लोढ़वारा, चित्रकूट

Scanned with Cam

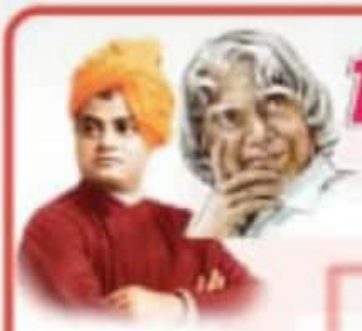

मिशन शिक्षण संवाद
हमारे सहयोगी

18

दूधिया

दूध वाले भैया का क्या कहना,
आते ही आवाज लगाते।
दीदी, बिटिया जल्दी आओ,
लिए पतीला दौड़ लगाते।।

लीटर से वह नाप के देते,
थोड़ा सा ज्यादा भी देते।
ना-ना ना-ना करते-करते,
पानी रोज मिला कर देते।।

जिस दिन दूधिया न आ पाए
चाय और कॉफी बन ना पाए।
भैया जी तुम प्रतिदिन आना,
नहीं बनाना कोई बहाना।।

रचना
ऋतु श्रीवास्तव (स०अ०)
पू०मा० वि० भौंरी-2
मानिकपुर, चित्रकूट

Scanned with Cam

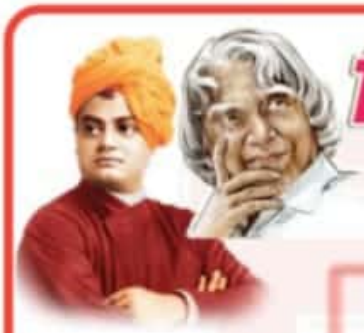

मिशन शिक्षण संवाद
हमारे सहयोगी

19

पंसारी

चलो चलें पंसारी दुकान,
वहाँ से लेंगे ढेरों सामान।
काली उड़द, मसूर की दाल,
हरी मूंग, अरहर की दाल।।

हल्दी, मिर्ची, धनिया, नमक,
मसाला, चावल, चीनी चमक।
नमकीन, बिस्कुट, चाय की बहार,
जलजीरा, ठंडाई की फुहार।।

तेल, घी को ना भूलो भैया,
जिससे बनती, पूड़ी, भजिया।
काजू, बादाम, बेसन, आटा,
ले लिया सब अब बाय-बाय टाटा।।

रचना
नीतू सिंह (प्र०अ०)
प्रा० वि० शाहपुर तिगरी
नगर क्षेत्र, मुरादाबाद

Scanned with Cam

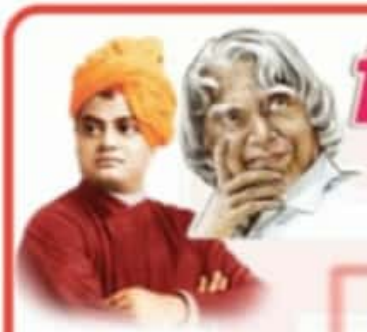

मिशन शिक्षण संवाद
हमारे सहयोगी

20

क्लर्क

कोई भी हो कार्यालय,
इसका होता कर्मालय।
प्रभावी पद महत्व असीम,
क्लर्क, बाबू या कहो मुनीम।।

पैसे की सब आवाजाही,
करता यही है कार्यवाही।
लिखा-पढ़ी और चिट्ठी-पत्री,
अभिलेखों का यह है संतरी।।

हर दफ्तर का होता आधार,
कुशल संचालन को आभार।
नेक बन आप ईमानदार रहो,
देश विकास हित सेवाभाव रहो।

रचना
राजीव कुमार गुर्जर (प्र०अ०)
प्रा० वि० बहादुरपुर राजपूत
कुंदरकी, मुरादाबाद

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

हमारे सहयोगी

21

प्लम्बर

नल या पाइप खराब हो जाए,
प्लम्बर सबको याद आए।
जब कोई प्लम्बर को बुलाता,
पाइप रिंच वो लेकर आता।।

पाइप फटे या टोंटी टूटे,
टपके नल या टंकी फूटे।
कहीं खराबी नल में आई,
प्लम्बर करे नल की दवाई।।

ये अपना सहयोगी है,
हम इसका सम्मान करें।
प्लम्बर या नलसाज़ कहो,
ये नल पाइप सब ठीक करें।।

रचना
सीता यादव (स०अ०)
इंग्लिश मीडियम क०
वि० लोढ़वारा, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with Can

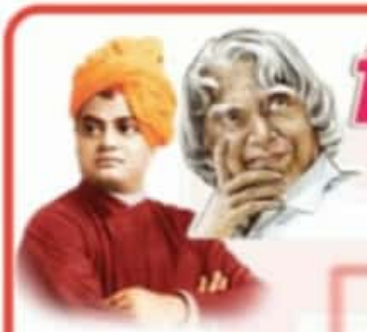

मिशन शिक्षण संवाद
हमारे सहयोगी

22

मैकेनिक

मशीनों का हूँ मैं राजा,
बड़ा रोचक है काम मेरा।
मशीनों से करता हूँ बातें
रात्रि तक घर जाते-जाते।।

कितनी भी हो ज़िद्दी कोई दिक्कत,
मैं करता दिन-रात उससे मशक्कत।
उठते, बैठते, खाते, पीते,
मशीनें ही मुझसे करती बातें।।

लोग मुझे मैकेनिक साहब बुलाते,
उठते-बैठते फोन लगाते।
तारीफों की झड़ी लगाते,
नए-नए काम मुझे लुभाते।।

रचना
अंजली मिश्रा (स०अ०)
प्रा० वि० असनी-1
भिटौरा, फतेहपुर

Scanned with Cam

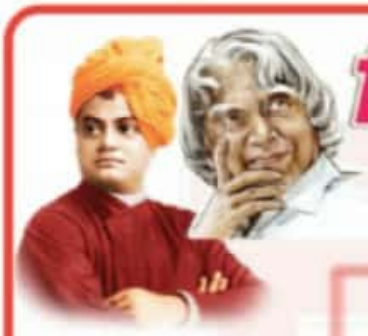

मिशन शिक्षण संवाद
हमारे सहयोगी

23

परिचारक

बहुत कठिन है इसका काम,
परिचारक है इसका नाम।
सबसे पहले ऑफिस पहुंचे,
झट पट करता है यह काम।।

बेल बजा कर इसे बुलाते,
जब भी आती कोई परेशानी।
फ़ाइल उठाये, पानी लाये,
कभी न करता आनाकानी।।

देता कार्य को प्राथमिकता,
कभी न अपनी परवाह करता,
साफ-सफाई या अन्य हो काम,
समय से करता सारे काम।।

रचना
सीमा कुमारी (इ०प्र०अ०)
प्रा० वि० कादरीबाग
डिबाई, बुलंदशहर

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

हमारे सहयोगी

•• रचनाकारों की सूची ••

1. शहनाज बानो, चित्रकूट
2. आयुषी अग्रवाल, मुरादाबाद
3. हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
4. शशिवाला अग्निहोत्री, फर्रुखाबाद
5. आकांक्षा मिश्रा, हरदोई
6. अर्चना गुप्ता, फतेहपुर
7. अशोक कुमार प्रियदर्शी, चित्रकूट
8. ज्योति चौधरी, मुरादाबाद
9. रोशनी वर्मा, मुरादाबाद
10. श्रीकान्त पाण्डेय, हरदोई
11. निहारिका शर्मा, मुरादाबाद
12. प्रतिमा उमराव, फतेहपुर
13. शिल्पी वार्ष्णेय, अलीगढ़
14. इला सिंह, फतेहपुर
15. पीयूष त्रिवेदी, हरदोई
16. अनुज पटैरिया, चित्रकूट
17. आराधना सिंह, चित्रकूट
18. ऋतु श्रीवास्तव, चित्रकूट
19. नीतू सिंह, मुरादाबाद
20. राजीव कुमार गुर्जर, मुरादाबाद
21. सीता यादव, चित्रकूट
22. अंजली मिश्रा, फतेहपुर
23. सीमा कुमारी, बुलन्दशहर

•• तकनीकी सहयोग ••

1. नाज़िया परवीन, मुरादाबाद
2. नमिता राजपूत, मुरादाबाद
3. सुधांशु श्रीवास्तव, फतेहपुर

•• मार्गदर्शन ••

राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन:- मिशन शिक्षण संवाद

Scanned with Cam